AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

अगले साल से कॉलेजों में एक फॉर्म पर दाखिले

लविवि में सभी प्रवेश केंद्रीकृत काउंसिलिंग से होंगे

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने अगले साल से परिसर के साथ ही सभी कॉलेजों के दाखिले अनिवार्य रूप से केंद्रीकृत काउंसिलिंग से करने की तैयारी कर ली है।

लविवि ने इस साल अपनी केंद्रीकृत काउंसिलिंग से 66 कालेजों को जोड़ा है। काउंसिलिंग के लिए प्रति कोर्स 50 हजार रुपये की फीस रखी गई है। इसी वजह से इसमें अनुदानित कॉलेज शामिल नहीं हैं। अगली बार इनको किस तरह से शामिल किया जाए, इस पर विचार भी किया जा रहा है। राजधानी में लविवि से सहयुक्त 176 कॉलेज हैं। अभी तक सभी में दाखिले के लिए अलग-अलग आवेदन करना होता था। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इस बार एक नई परंपरा को जन्म देते हुए इस साल से कुछ कॉलेजों को अपनी काउंसिलिंग से जोड़ा है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि विद्यार्थियों को हर कॉलेज में दाखिले के लिए अलग-अलग आवेदन नहीं करना पड़ा।

हालांकि इस बार काउंसिलिंग से सिर्फ 66 कॉलेज ही जुड़े हुए हैं, इसलिए अनुदानित कॉलेजों में दाखिले के लिए विद्यार्थियों को अलग से आवेदन करना पड़ा। इससे भ्रम की स्थिति भी बनी। यहां तक कि अनुदानित कॉलेजों को साफ करना पड़ा कि इस केंद्रीकृत काउंसिलिंग में वे शामिल नहीं हैं। अगली बार ऐसी स्थिति ही न बने, इसलिए अनुदानित कॉलेजों को भी एक साथ जोड़ने की योजना पर काम किया जा रहा है। ऐसा होने पर विद्यार्थियों को एक आवेदन फॉर्म ही भरना होगा। इसी फॉर्म से उन्हें उनकी रैंक के आधार पर परिसर या कॉलेज में दाखिले का मौका मिलेगा। लविवि ने अभी आधिकारिक रूप से इसकी घोषणा नहीं की है, लेकिन लविवि प्रशासन ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है।

काउंसिलिंग फीस बड़ा मुद्दा

लविवि में इस साल शुरू हुई केंद्रीकृत काउंसिलिंग में कॉलेज से प्रति कोर्स 50 हजार रुपये की फीस ली गई है। अनुदानित कॉलेजों के लिए यह बड़ी समस्या है। फंड के अभाव में 50 हजार रुपये काउंसिलिंग फीस देना उनके लिए संभव नहीं है। एक दूसरी बात यह भी है कि जो कोर्स काउंसिलिंग में शामिल हुए हैं, वे सभी सेल्फ फाइनेंस प्रणाली के हैं। सेल्फ फाइनेंस कोर्स की फीस ज्यादा होती है, ऐसे में उनके लिए 50 हजार रुपये फीस दी जा सकती है। रेगुलर कोर्स की फीस काफी कम है। इसके लिए इतनी ज्यादा काउंसिलिंग में फीस देना कहीं से व्यावहारिक नहीं है। अनुदानित कालेजों के केंद्रीकृत काउंसिलिंग में शामिल न होने के पीछे एक दूसरी बड़ी वजह यह भी है कि वे आवेदन फार्म की बिक्री से फंड जमा करते हैं। केंद्रीकृत काउंसिलिंग होने पर उनका यह स्रोत बंद हो जाएगा। इसलिए संभव है कि केंद्रीकृत काउंसिलिंग के लिए अनुदानित कॉलेजों की ओर से कुछ आपत्ति भी हो। बहरहाल लखनऊ विवि सभी को संतुष्ट करते हुए केंद्रीकृत काउंसिलिंग की योजना पर काम कर रहा है। इसके बीच का रास्ता बनाया जा रहा है, जिससे कि सभी इसमें शामिल हो सकें।

डॉ. चक्रवर्ती मेडल के लिए मांगे आवेदन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में शताब्दी समारोह के दौरान दीक्षांत समारोह आयोजित करने की तैयारियां तेज हो गई हैं। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएन सक्सेना ने शनिवार को विद्यार्थियों से चक्रवर्ती मेडल के लिए आवेदन मांगे हैं। डॉ. चक्रवर्ती मेडल के लिए विभागाध्यक्षों और प्रोवोस्ट की अनुशंसा के आधार पर पांच नवंबर तक आवेदन किया जा सकता है। डॉ. चक्रवर्ती गोल्ड मेडल के लिए छात्र अपना नाम चीफ प्रोवोस्ट, प्रोवोस्ट, डीन, प्रॉक्टर, चेयरमैन या खेल संघ के अध्यक्ष को भी दे सकते हैं। इसके लिए छात्र को पूरा प्रोफार्मा भरकर देना होगा। यह प्रोफार्मा विभागाध्यक्ष से भी लिया जा सकता है। तय सीमा के बाद आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएगा। लविवि में शताब्दी समारोह 19 से 25 नवंबर के बीच होना है। अभी तारीख तय नहीं है, लेकिन माना जा रहा है कि 19 नवंबर को ही समारोह हो सकता है।

ये छात्र कर सकते हैं आवेदन

डॉ. चक्रवर्ती मेडल के लिए मेधावी जिनके मार्क्स 50 फीसदी से कम न हों, फिजिकल फिटनेस, खेलों में हिस लिए हों, एनसीसी और डिस्टिंक्शन हासिल करने वाले विद्यार्थी पात्र होंगे।

फिर बनेगी मेधावी छात्र समिति

लखनऊ। लविवि की विभिन्न समितियों में छात्रों की भागीदारी और बढ़ाने के लिए एक बार फिर से मेधावी छात्र परिषद का गठन करने का फैसला किया है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इस पर अपनी मंजूरी दे दी है। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि इसका मकसद विवि की गतिविधियों के आयोजन में छात्रों की भागीदारी बढ़ाना, प्रोत्साहित करना, शैक्षिक और मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन, शैक्षिक परियोजनाओं में छात्रों की भागीदारी करना है। परिषद में एक अध्यक्ष, उपाध्यक्ष (2), महासचिव, संयुक्त सचिव (1,2), कला प्रतिनिधि, शिक्षा प्रतिनिधि, इंजीनियरिंग प्रतिनिधि, विज्ञान प्रतिनिधि, वाणिज्य प्रतिनिधि, प्रबंधन प्रतिनिधि, कानून प्रतिनिधि साहित्य प्रतिनिधि, मीडिया प्रतिनिधि और खेल प्रतिनिधि पदाधिकारी के रूप में शामिल होंगे। काउंसिल के सभी सदस्यों को कुलपति द्वारा डीन, स्टूडेंट्स वेलफेयर के साथ गठित एक विशेष समिति की सिफारिश के आधार पर नामित किया जाएगा। डीन स्टूडेंट वेलफेयर समन्वयन करेंगे। पहले सेमेस्टर/वर्ष में उच्चतम अंक वाले विद्यार्थियों को समिति उनकी प्रस्तावित योजनाओं को प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित करेगी। उनकी संचार कौशल, प्रस्तुति में रखे दृष्टिकोण और भविष्य की योजनाओं के आधार पर समिति सदस्यों का चयन करेगी।

i-NEXT PAGE 2

चांसलर मेडल के लिए मांगे आवेदन

लखनऊ यूनिवर्सिटी में दीक्षा समारोह की तैयारियां तेज

LUCKNOW (31 Oct): लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने शताब्दी समारोह के दौरान होने जा रहे दीक्षा समारोह को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं. दो मुख्य मेडल चांसलर और चक्रवर्ती मेडल समेत अन्य कई मेडलों के लिए लखनऊ यूनिवर्सिटी प्रशासन ने स्टूडेंट्स से आवेदन मांगे हैं. इसके तहत विद्यार्थियों को निर्धारित समय के भीतर आवेदन देने हैं. दरअसल, चांसलर मेडल ओवरऑल परफॉर्मेंस पर और चक्रवर्ती मेडल समाज कार्य की श्रेणी में अच्छा प्रदर्शन करने वाले को दिया जाता है.

पांच तक करना है आवेदन

इसके अलावा इस वर्ष लखनऊ यूनिवर्सिटी प्रशासन द्वारा सिल्वर जुबली गोल्डेन मेडल, रुचि राम रिसर्च प्राइज इन बॉटनी, बनर्जी रिसर्च रेगुलेशन प्राइज, सरदार बहादुर मेजर जीसी दीक्षित मेमोरियल गोल्ड मेडल, पीरी मेमोरियल गेल्ड मेडल, गोपाल दास मेमोरियल गोल्ड मेडल, डॉ. गोविंद सिंह थापर मेमोरियल गोल्ड मेडल, प्रोफेसर कालीप्रसाद मेमोरियल रिलर्च प्राइज, पं.अंबिका प्रसाद बाजपेई मेमोरियल गोल्ड मेडल, वाइस चांसलर गोल्ड मेडल भी दिए जाएंगे. विद्यर्थियों को पांच नवंबर तक आवेदन करना है. गौरतलब है कि शताब्दी वर्ष होने के कारण इस बार दीक्षा समारोह काफी खास हो गया है.

JAGRAN CITY PAGE III

चांसलर, चक्रवर्ती समेत अन्य मेडल के लिए मांगे आवेदन

लखनऊ विश्वविद्यालय ने शताब्दी समारोह के दौरान होने जा रहे दीक्षा समारोह को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। दो मुख्य मेडल चांसलर और चक्रवर्ती मेडल समेत अन्य कई मेडलों के लिए विवि प्रशासन ने आवेदन मांगे हैं। इसके तहत विद्यार्थियों को पांच नवंबर तक आवेदन देने हैं।

चांसलर मेडल ओवरऑल परफॉर्मेंस और चक्रवर्ती मेडल समाज कार्य की श्रेणी में अच्छा प्रदर्शन करने वाले को दिया जाता है। इस वर्ष विवि प्रशासन द्वारा सिल्वर जुबली गोल्डेन मेडल, रुचि राम रिसर्च प्राइज इन बॉटनी, बनर्जी रिसर्च रेगुलेशन प्राइज, सरदार बहादुर मेजर जीसी दीक्षित मेमोरियल गोल्ड मेडल, पीरी मेमोरियल गेल्ड मेडल, गोपाल दास मेमोरियल गोल्ड मेडल, डॉ. गोविंद सिंह थापर मेमोरियल गोल्ड मेडल, प्रो कालीप्रसाद मेमोरियल रिलर्च प्राइज, पं.अंबिका प्रसाद बाजपेई मेमोरियल गोल्ड मेडल, वाइस चांसलर गोल्ड मेडल दिए जाएंगे।

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

कुलपति और रजिस्ट्रार इलेवन के बीच क्रिकेट मुकाबला आज

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के 100 वर्ष पूरे होने पर होने वाले आयोजन रविवार से शुरू हो जाएंगे। इसमें पहला कार्यक्रम कुलपति और रजिस्ट्रार 11 के वीच क्रिकेट मुकावला है। शनिवार को रजिस्ट्रार की टीम भी मैदान में आ पहुंची है।

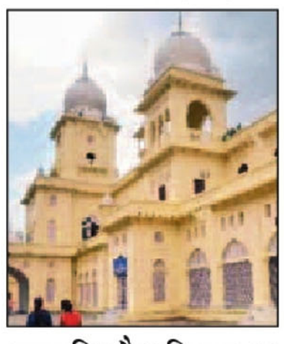

रजिस्ट्रार डा. विनोद कुमार सिंह की 20 सदस्यों की टीम के कप्तान उप कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी होंगे। उनकी टीम में राकेश मिश्र (सहायक कुलसचिव), महेश चंद्र शुक्ल (सहायक कुलसचिव), अनूप पांडे, अतुल, अजय, आर. के. साहू, सचिन कुमार, अभिषेक पाल, सचिन, नीरज पांडे, विकास, सी.पी. सिंह (मोनू), अभिषेक रावत, उदयंत तिवारी, अनुराग तिवारी, विजय, श्रीधर द्विवेदी, विनोद धर द्विवेदी एवं राहुल होंगे।

NBT PAGE 10

छात्र परिषद के गठन को कुलपति की मंजूरी

■ एनबीटी, लखनऊः कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने एलयू की मेधावी छात्र परिषद के गठन के लिए मंजूरी दी है। यह परिषद एलयू में विभिन्न क्षेत्रों पर काम करेगी। छात्र परिषद में एक अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव, संयुक्त सचिव, कला प्रतिनिधि, शिक्षा प्रतिनिधि, इंजिनियरिंग प्रतिनिधि, विज्ञान प्रतिनिधि, वाणिज्य प्रतिनिधि, प्रबंधन प्रतिनिधि, कानून प्रतिनिधि साहित्य प्रतिनिधि, मीडिया प्रतिनिधि और खेल प्रतिनिधि पदाधिकारी के रूप मे शामिल होंगे। सभी सदस्यों को कुलपति द्वारा डीन, स्टूडेंट्स वेलफेयर के साथ गठित एक विशेष समिति की संस्तुति पर नामित किया जाएगा जिसकी कनवीनर डीएसडब्ल्यू प्रो. पूनम टंडन होंगी।

वीसी और रजिस्ट्रार की टीम के बीच होगा मैच

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय में वीसी और रजिस्ट्रार की टीम के बीच मैच रविवार को होगा। जिसके लिए वीसी और रजिस्ट्रार की टीम पिछले दो सप्ताह से प्रैक्टिस में जुटी हुई थी। बता दें ये मैच 20-20 ओवर को होगा। मैच सुबह 8:30 बजे से शुरू हो जाएगा।

एलयू दीक्षांत : मेडल के लिए मांगे आवेदन

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय में होने वाले दीक्षांत समारोह की तैयारियां तेज हो गई है। समारोह के दो मुख्य चांसलर और चक्रवर्ती मेडल समेत कई मेडलों के लिए विवि प्रशासन ने आवेदन मांगे हैं। बता दें कि चांसलर मेडल ओवर ऑल परफॉर्मेंस पर दिया जाता है। वहीं, चक्रवर्ती मेडल समाज कार्य की श्रेणी में अच्छा प्रदर्शन करने वाले को दिया जाता है। ये दो सबसे महत्वपूर्ण मेडल माने जाते हैं। जिसके लिए आवेदक 5 नवंबर तक आवेदन कर सकते हैं।

HINDUSTAN PAGE 6

चांसलर और चक्रवर्ती मेडल के लिए आवेदन मांगे

लखनऊ। लविवि के शताब्दी दिवस समारोह में दीक्षांत समारोह कराने की तैयारियां शुरू कर दी गई। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से शनिवार को दीक्षांत समारोह में दिए जाने वाले दो प्रमुख मॉडल चांसलर और चक्रवर्ती मॉडल समेत अन्य मेडल के लिए आवेदन मांगे गए हैं। यह आवेदन आगामी 5 नवंबर तक किए जा सकते हैं। चांसलर मेडल हर क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले छात्र को दिया जाता है। वहीं, चक्रवर्ती मेडल समाज कार्य की श्रेणी में अच्छा प्रदर्शन करने वाले को दिया जाता है। इसके अलावा कई अन्य मेडल भी दिए जाएंगे।

SAMRIDDHI NEWS PAGE 3

लखनऊ यूनिवर्सिटी में सरदार पटेल व आचार्य नरेंद्र देव की जयंती मनाई गई

लखनऊ, समृद्धि न्यूज।

लखनऊ विश्वविद्यालय ने शनिवार को अपने प्रांगण में राष्ट्रीय एकता दिवस मनायाए और अपने मुख्य परिसर में उनकी जयंती पर लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को याद किया। कार्यक्रम की शुरुआत ललित कला संकाय के प्रांगण में सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यापर्ण और पुष्पांजलि कर की।

सरदार पटेलए जिन्हें ब्रिटिश उपनिवेश के अंत के बाद हमारे देश को एकजुट करने का श्रेय दिया जाता है, और उनके उपदेश और सिद्धांतों को डीन ऑफ स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो .पूनम टंडन, रजिस्ट्रार डॉ. विनोद सिंह, लुटा प्रेसिडेंट डॉ. नीरज जैन सहित समारोह मे उपस्थित सभी के द्वारा श्रद्धा से याद किया गया। समारोह में छात्रों ने कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। नुक्कड़ नाटक समूह अक्षम्य ने आज के भारत में सरदार पटेल की शिक्षाओं की प्रासंगिकता पर तिरंगा नामक एक नाटक भी प्रस्तुत किया।

शनिवार को विशिष्ट शिक्षाविद् और लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति आचार्य नरेंद्र देव की जयंती भी है। विश्वविद्यालय परिवार ने प्रशासनिक भवन के प्रांगण में उनकी प्रतिमा पर फूल और माला पहनाकर उनका स्मरण किया।

इसी उपलक्ष्य पर श्ये मेरा इंडिया थीम पर कुलपति प्रो आलोक कुमार राय और डीन ऑफ स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो पूनम टंडन के मार्गदर्शन में एक क्विज कॉम्पटीशन भी आयोजित की गई।

इस आयोजन के विजेता लखनऊ विश्वविद्यालय के तुषार और वंशिका थेए और दूसरा स्थान हासिल किया लखनऊ विश्वविद्यालय के अखिलेश और उत्कर्ष की टीम ने। क्विज के समन्वयक देवांश, खुशाली, अनन्या और प्रवीना थे।

मेधावी छात्र परिषद के गठन को कुलपति ने दी मंजूरी

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने हमेशा विश्वविद्यालय की विभिन्न समितियों में छात्रों की सक्रिय भागीदारी की बात की है। प्रो राय के कुलपति कार्यालय का कार्यभार संभालने के पहले महीने से ही छात्रों ने विश्वविद्यालय के कई निर्णायक निकायों में प्रतिनिधित्व का मौका प्राप्त किया है जैसे शताब्दी समारोह समिति आदि। अब विश्वविद्यालय के दैनिक कामकाज में समान और स्वस्थ छात्र भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए कुलपति ने लखनऊ विश्वविद्यालय के एक मेधावी छात्र परिषद के गठन के लिए दिशानिर्देशों को मंजूरी दी है।

इन पदों पर चुनी जाएगी छात्र परिषद

एमएससी में एक अध्यक्ष, उपाध्यक्ष (2) महासचिव, संयुक्त सचिव (1,2) कला प्रतिनिधि, शिक्षा प्रतिनिधि, इंजीनियरिंग प्रतिनिधि, विज्ञान प्रतिनिधि, वाणिज्य प्रतिनिधि, प्रबंधन प्रतिनिधि, कानून प्रतिनिधि साहित्य प्रतिनिधि, मीडिया प्रतिनिधि और खेल प्रतिनिधि पदाधिकारी के रूप मे शामिल होंगे। काउंसिल के सभी सदस्यों को कुलपति द्वारा डीन, स्टूडेंट्स वेलफेयर के साथ गठित एक विशेष समिति की रिकमेंडेशन के आधार पर नामित किया जाएगा।

जिसके समन्वयक डीएसडब्ल्यू होंगे। अपने पहले सेमेस्टर-वर्ष में उच्चतम अंक वाले छात्रों को समिति द्वारा विश्वविद्यालय के लिए अपनी दृष्टि और विश्वविद्यालय के छात्रों के कल्याण के लिए उनकी प्रस्तावित योजनाओं को प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

उनकी संचार कौशल, प्रस्तुति मे रखे दृष्टिकोण, और भविष्य की योजनाओं की व्यवहार्यता पर मूल्यांकन की गई प्रस्तुतियों के आधार पर समिति एमएससी के सदस्यों के लिए छात्रों का चयन करेगी।

इन बिंदुओं पर काम करेगी मेधावी छात्र परिषद

- विश्वविद्यालय की गतिविधियों के आयोजन में छात्रों की भागीदारी को बढ़ावा देना और प्रोत्साहित करना।
- छात्रों के लिए शैक्षिक और मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन।
- विश्वविद्यालय की शैक्षिक परियोजनाओं में छात्रों की भागीदारी सुनिश्चित करना।
- परिसर के जीवन के विभिन्न पहलुओं और अन्य छात्र सेवा सुविधाओं पर रचनात्मक प्रतिक्रिया प्रदान करें।
- विश्वविद्यालय की एंटी.रैगिंग समिति की सहायता करना।
- अनुशासन में छात्र जीवन और छात्र संपर्क में सुधार के तरीकों को पहचानना और सुझाव देना।
- विश्वविद्यालय प्रशासन को छात्र समस्याओं से अवगत कराना।
- छात्रों की समस्याओं को पहचानें और विश्वविद्यालय के छात्रों की समस्या सुलझाने के प्रयासों में भाग लेना।

SAMRIDDHI NEWS PAGE 2

लखनऊ यूनिवर्सिटी में डॉ. चक्रवर्ती गोल्ड मेडल के लिए 5 नवम्बर तक कर सकते हैं आवेदन

लखनऊ, समृद्धि न्यूज।

लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रतिवर्ष एक योग्य छात्र/छात्रा को डॉ चक्रवर्ती गोल्ड मेडल से सम्मानित किया जाता है। यह सम्मान उस छात्र/छात्रा को दिया जाता है। जो अपने सौम्य एवं अच्छे व्यवहार के साथ साथ विश्वविद्यालय के सामान्य सामाजिक जीवन में सबसे अधिक एवं महत्वपूर्ण योगदान देता-देती है।

इस उत्कृष्ट सम्मान के लिए अभ्यर्थी संबंधित मुख्य प्रोवोस्ट, डीन, प्रॉक्टर, अध्यक्ष एथलेटिक एसोसिएशन, संबंधित कॉलेजों के प्राचार्यों को आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के साथ अभ्यर्थी अपने अकादमिक रिकॉर्ड और विश्वविद्यालय के सामाजिक जीवन में अपने द्वारा दिए गए योगदान से सम्बंधित प्रमाण पत्रों को भी संलंग्न करें। नामांकन भेजने की अंतिम तिथि 5 नवंबर, 2020 है।

सारे आवेदन प्राप्त होने के उपरांत कुलपति की अध्यक्षता में एक समिति इन आवेदनों का परीक्षण कर योग्य अभ्यर्थियों को चयन करेगी। तदोपरांत इन अभ्यर्थियों के साक्षात्कार कर समिति सबसे योग्य अभ्यर्थी को चक्रवर्ती सम्मान के लिए चुनेगी। इसी प्रक्रिआ का पालन करते हुए यह समिति चांसलर गोल्ड मैडल के लिए भी सर्वथा उपयुक्त छात्र/छात्रा का चयन करेगी।

इस आधार पर होगा चयन

1. विश्वविद्यालय से जुड़े या मान्यता प्राप्त कॉलेजों से जुड़े छात्रावासों के वार्डन अपने छात्रावास के एक अंतःवासी छात्र/छात्रा को नामित करेंगे जो उनके मतानुसार इस सम्मान के लिए सर्वथा उपयुक्त होगा/होगी ।
2. ये समस्त नामांकन संबंधित कॉलेज के प्राचार्यों को भेजे जाएंगे।
3. तदोपरांत प्राचार्य या तो अपने स्वयं के प्रस्ताव पर या विश्वविद्यालय के किसी भी शिक्षक सदस्य के नामांकन पर अतिरिक्त 4 गैर अन्तःवासी छात्रों को नामित करेंगे।
4. इसके उपरांत सभी नामांकन निवास, स्वास्थ्य और अनुशासन बोर्ड को भेजे जाएंगे।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 3

लविवि में मेधावी छात्र परिषद गठित

वरिष्ठ संवाददता(vol)

लखनऊ। लविवि के माननीय कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने हमेशा विश्वविद्यालय की विभिन्न समितियों में छात्रों की सक्रिय भागीदारी की बात की है।

प्रो राय के कुलपति कार्यालय का कार्यभार संभालने के पहले महीने से ही छात्रों ने विश्वविद्यालय के कई निर्णायक निकायों में प्रतिनिधित्व का मौका प्राप्त किया है जैसे शताब्दी समारोह समिति, आदि। अब विश्वविद्यालय के दैनिक कामकाज में समान और स्वस्थ छात्र भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए कुलपति ने लखनऊ विश्वविद्यालय के एक मेधावी छात्र परिषद एमएससी के गठन के लिए दिशानिर्देशों को मंजूरी दी है।। यह एमएससी निम्नलिखित क्षेत्रों पर काम करेगा।

विवि की गतिविधियों के आयोजन में छात्रों की भागीदारी को बढ़ावा देना और प्रोत्साहित करना, छात्रों के लिए शैक्षिक और मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन , विवि की शैक्षिक परियोजनाओं में छात्रों की भागीदारी सुनिश्चित करना, परिसर के जीवन के विभिन्न पहलुओं और अन्य छात्र सेवा सुविधाओं पर रचनात्मक प्रतिक्रिया प्रदान करें, विश्वविद्यालय की एंटी.रैगिंग समिति की सहायता करना, अनुशासन में छात्र जीवन और छात्र संपर्क में सुधार के तरीकों को पहचानना और सुझाव देना , विश्वविद्यालय प्रशासन को छात्र समस्याओं से अवगत कराना एवं छात्रों की समस्याओं को पहचानें और विश्वविद्यालय के छात्रों की समस्या सुलझाने के प्रयासों में भाग लेना।

● कुलपति ने जारी किया दिशा निर्देश

एमएससी में एक अध्यक्ष, उपाध्यक्ष 2, महासचिवए एक, संयुक्त सचिव 2, कला प्रतिनिधि, शिक्षा प्रतिनिधि, इंजीनियरिंग प्रतिनिधि, विज्ञान प्रतिनिधि, वाणिज्य प्रतिनिधि, प्रबंधन प्रतिनिधि, कानून प्रतिनिधि, साहित्य प्रतिनिधि,मीडिया प्रतिनिधि और खेल प्रतिनिधि पदाधिकारी के रूप मे शामिल होंगे। काउंसिल के सभी सदस्यों को कुलपति द्वारा डीन, स्टूडेंट्स वेलफेयर के साथ गठित एक विशेष समिति की प्रस्ताव के आधार पर नामित किया जाएगा जिसका कनवेनर डीएसडब्ल्यू होंगे। अपने पहले सेमेस्टर - वर्ष में उच्चतम अंक वाले छात्रों को समिति द्वारा विश्वविद्यालय के लिए अपनी दृष्टि और विश्वविद्यालय के छात्रों के कल्याण के लिए उनकी प्रस्तावित योजनाओं को प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। उनकी संचार कौशलए प्रस्तुति मे रखे दृष्टिकोणए और भविष्य की योजनाओं की व्यवहार्यता पर मूल्यांकन की गई प्रस्तुतियों के आधार परए समिति एमएससी के सदस्यों के लिए छात्रों का चयन करेगी।

लविवि ने चक्रवर्ती मेडल के लिए जारी किये मानक

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रतिवर्ष एक योग्य छात्रध्छात्रा को डॉ चक्रवर्ती गोल्ड मेडल से सम्मानित किया जाता है। यह सम्मान उस छात्रध्छात्रा को दिया जाता है जो अपने सौम्य एवं अच्छे व्यवहार के साथ साथ विश्वविद्यालय के सामान्य सामाजिक जीवन में सबसे अधिक एवं महत्वपूर्ण योगदान देताध्देती है। इस वर्ष इस सम्मान के लिए उपयुक्त पदक विजेता को निम्नलिखित तरीके से चुना जाएगा।

इसके तहत विश्वविद्यालय से जुड़े या मान्यता प्राप्त कॉलेजों से जुड़े छात्रावासों के वार्डन अपने छात्रावास के एक अंतःवासी छात्र-छात्रा को नामित करेंगे जो उनके मतानुसार इस सम्मान के लिए सर्वथा उपयुक्त

होगाध्होगी । ये समस्त नामांकन संबंधित कॉलेज के प्राचार्यों को भेजे जाएंगे। तदोपरांत प्राचार्य या तो अपने स्वयं के प्रस्ताव पर या विश्वविद्यालय के किसी भी शिक्षक सदस्य के नामांकन पर अतिरिक्त 4 गैर अन्तःवासी छात्रों को नामित करेंगे। इसके उपरांत सभी नामांकन निवासए स्वास्थ्य और अनुशासन बोर्ड को भेजे जाएंगे। इस उत्कृष्ट सम्मान के लिए अभ्यर्थी संबंधित मुख्य प्रोवोस्ट, डीन, प्रॉक्टर, अध्यक्ष थलेटिकएसेसिएशन संबंधित कॉलेजों के प्राचार्यों को आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के साथ अभ्यर्थी अपने अकादमिक रिकॉर्ड और विश्वविद्यालय के सामाजिक जीवन में अपने द्वारा दिए गए योगदान से सम्बंधित प्रमाण पत्रों को भी संलंग्न करें। नामांकन भेजने की अंतिम तिथि 5 नवंबर है। सारे आवेदन प्राप्त होने के उपरांत माननीय कुलपति की अध्यक्षता में एक समिति इन आवेदनों का परीक्षण कर योग्य अभ्यर्थियों को चयन करेगी। तदोपरांत इन अभ्यर्थियों के साक्षात्कार कर समिति सबसे योग्य अभ्यर्थी को चक्रवर्ती सम्मान के लिए चुनेगी। इसी प्रक्रिआ का पालन करते हुए यह समिति चांसलर गोल्ड मैडल के लिए भी सर्वथा उपयुक्त छात्रध्छात्रा का चयन करेगी।

TOI PAGE 3

Theatre artist Salim Arif to relive univ days, stage his acclaimed play 'Paansa'

Mohita.Tewari@timesgroup.com

Lucknow: Wearing a pair of khaki trousers, T-shirt and bathroom slippers, he used to rush to the Lucknow University campus to attend lectures and run back to Ravindrayala to pursue his passion for theatre.

This simple boy, who was famous on the campus for his creativity in the '70s, later became a big name in Indian theatre and films.

Salim Arif, a director, writer and theatre personality, will return to the campus with 'Paansa', a famous international level play written by poet, lyricist and screenwriter Gulzar, based on Pavan K Varma's long English poem 'Yudhishthar and Draupadi', which will be staged during the university's centenary celebrations.

TOI

ARTISTIC PAST: A young Salim Arif participates in a sculpting competition while studying at LU

Recalling his college days, Arif, who pursued BA in 1978, said: "Be it Tagore Lawn or auditorium of English department's PG block, the campus is a witness to my love and passion for creativity. Be it my paintings exhibited in Tagore lawn or the Lucknow University Study Circle – a cultural group which gave students a platform to showcase their talent – all have shaped my life."

Arif says during post-Emergency era, student union polls on the campus were nothing less than national election battlefield.

"The beauty of the university was that it had all kinds of elements – from rowdy students to studious and hyper-creative ones. The most interesting memory of university days are two words – 'Piya ka Ghar' used by students for PG block and 'Lallu Jagdhar' – a fictitious candidate created by students out to lampoon political representatives," he said.

"Staging of 'Paansa' at LU is the most emotional episode of my theatre life. In arts quadrangle, as many as 45 artists from across the country will present 'Paansa' – a play which gives us a new and challenging interpretation of the encounter between Pandavas and the Yaksha of the poisoned pool which is in one of the most important episodes from the Mahabharata," Arif added.

"The beauty of arts quadrangle will light up with one of the best theatre performances. I am happy to be back to my alma mater and want to make it proud with one of my finest works," he said.

Convener of centenary celebrations Prof Nishi Pandey said, "Theatre, arts quadrangle and a play like 'Paansa' will make for a perfect 100-year celebration for the university which nurtured a number of students who have made a mark in the world of films, television and theatre. We have decked up the campus to host the play."

VC, registrar in cricket face-off

LU vice-chancellor and registrar will challenge each other in the Centenary Cricket Cup to be organised on Sunday. The VC's XI and the Registrar's XI will play a 20-20 match as a part of the centennial celebrations. The VC's team will have teachers, while the one led by the registrar will have non-teaching staff. TNN

100 YEARS LUCKNOW UNIVERSITY